बृहस्पतिवार 32 साल से देहरादून का विश्वास
24 अक्टूबर 2024
● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 254
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल
सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

इस साल नहीं होंगे छात्र संघ चुनाव

सरकार की दलील पर हाई कोर्ट की मोहर

विशेष संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड के विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में इस साल छात्र संघ के चुनाव नहीं होंगे। छात्र संघ चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका पर आज दूसरे दिन सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने सरकार की दलील को सही ठहराते हुए चुनाव न कराने के फैसले को सही बताया है।

कोर्ट में आज सरकार द्वारा अपना पक्ष रखते हुए कहा गया है कि सरकार द्वारा शासनादेश जारी करते हुए महाविद्यालयों को 30 सितंबर तक चुनाव कराने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन महाविद्यालयों द्वारा इन सरकारी दिशा निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया गया। सरकार ने 24 अप्रैल को ही है शासनादेश जारी किया था जिसमें सभी विश्वविद्यालयों एवं और उनसे संबंद्व महाविद्यालयों को 30 सितंबर 2024 तक छात्र संघ चुनाव कराने के लिए निर्देशित किया गया था। सरकार का कहना है कि अब शासनादेश में 30 सितंबर की समय सीमा निकल जाने के बाद यदि चुनाव कराए जाते हैं तो यह शासनादेश का उल्लंघन होगा सरकार की इस दलील पर हाईकोर्ट ने सहमति जताते हुए सरकार के फैसले जिसमें अब छात्र संघ चुनाव न कराये जाने की बात कही गई है, को सही बताया है। ऐसी स्थिति में अब कॉलेज में इस साल छात्र संघ चुनाव नहीं कराये जाएंगे।

तय समय सीमा 30 सितंबर के बाद चुनाव कराना जीओ का उल्लंघन

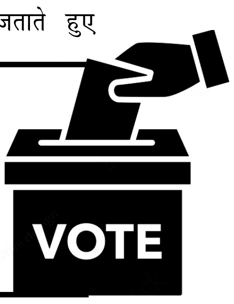

उल्लेखनीय है कि दून निवासी सामाजिक कार्यकर्ता महिपाल सिंह द्वारा इस बाबत हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। कल इस मामले की सुनवाई करते हुए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायाधीश विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ द्वारा लिंगदोह कमेटी की रिपोर्ट पेश करने और सरकार से अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया था। जिस पर आज सुनवायी के बाद हाईकोर्ट ने स्थिति को स्पष्ट कर दिया है कि अब इस साल छात्र संघ चुनाव नहीं कराए जाएंगे।

एक नजर

दुबई में नौकरी के नाम पर ठगे पांच लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। दुबई में नौकरी लगवाने के नाम पर सवा पांच लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी पुष्कर सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उज्जवल सचदेवा पुत्र तलविन्दर सचदेवा निवासी प्रेमनगर द्वारा उसे कार्य हेतु दुबई भेजने का झूठा आश्वासन देकर 5 लाख 25 हजार रूपये की धनराशि वसूली। वह एक बहुत ही गरीब परिवार से है। उसको 15 दिन के अन्दर-अन्दर दुबई भेजने का झूठा आश्वासन देकर उस पर पैसे देने के लिये हर दिन दबाव बनाया गया, कि जल्दी पैसे दो आज रात तक जॉब ऑफर लेटर निकलवा रहा है, कहकर उसने और उसके पापा ने 10-12 लोगों से 01 महीने के लिये ब्याज पर पैसा लेकर उनको दिया। 15 दिन के अन्दर-अन्दर भेजने का कहने वाले ने आज 06 महीने पूर्ण हो गये है न तो अभी तक कोई जॉब लेटर मिला न उसके पैसे वापस मिले। जिन लोगों से उसने पैसा लिया था उन्होंने उसका व उसके पापा का जीना हराम करके रखा हुआ है, कि पैसे लौटाओ परन्तु उसे कई महीने से रोज आज-कल करके टाल मटोल किया जा रहा है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हॉट बाजार से दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने हॉट बाजार से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर निवासी दीपक कुमार ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सामान खरीदने के लिए हॉट बाजार आईडीपीएल में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल सडक पर खडी की थी जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं सलेमपुर सहारनपुर निवासी तालिब ने भी हॉट बाजार के बाहर से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा ऋषिकेश कोतवाली में दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

अध्यादेश! अध्यादेश का खेला

उत्तराखंड सरकार ने अतिक्रमण की जद में आने वाली 582 के आसपास मलिन बस्तियों को बचाने के लिए नगर निगम संशोधन अध्यादेश 2024 की अवधि को अगले 3 साल के लिए बढ़ा दिया है। पिछले 6 सालों में सरकार इन बस्तियों के नियमितीकरण की दिशा में भले ही एक कदम भी आगे न बढ़ सकी हो लेकिन अध्यादेश! अध्यादेश का खेला खेलते हुए उसने 9 साल तक इस मुद्दे को लंबित रखने में सफलता जरुर हासिल कर ली है। सरकार के रवैये से भले ही यह साफ दिख रहा हो कि इसके पीछे सरकार की मंशा क्या है? लेकिन विधायक और पूर्व मेयर विनोद चमोली जैसे नेता अभी भी यही कह रहे हैं कि सरकार इन मलिन बस्तियों के नियमितीकरण को लेकर गंभीर है। सरकार अगर वास्तव में इन मलिन बस्तियों को मालिकाना हक दिलाने को लेकर गंभीर रही होती तो क्या बीते छह सालों में उसने कुछ तो किया होता जो जमीन पर दिखाई देता। कांग्रेस का कहना है कि अपने राजनीतिक तुष्टिकरण से वह मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों को धोखा दे रही है। उनके वोट बटोरने का सरकार ने इसे जरिया बना लिया है। जो आठ लाख से भी अधिक वोटर इन बस्तियों में रहते हैं उनको भय में रखकर भाजपा उनके वोट पर एकाधिकार बनाए रखना चाहती है। 2016 में हाईकोर्ट द्वारा इन बस्तियों को अतिक्रमण मानते हुए इन्हें हटाने के आदेश दिए गए थे लेकिन तब से लेकर आज तक यह मुद्दा मुद्दा ही बना हुआ है। खास बात यह है कि इसके कारण नगर निकाय चुनाव भी अधर में लटके हुए हैं या उन्हें भी अधर में लटकाए रहने का काम किया जा रहा है। कोर्ट द्वारा निकायों में ओबीसी आरक्षण की स्थिति स्पष्ट किए जाने का आदेश दिया गया था। मलिन बस्तियों में ओबीसी आरक्षण तय करने के मुद्दे पर सरकार ने ऐसा पेंच फंसा रखा है कि इसके समाधान न होने तक निकाय चुनाव भी नहीं हो पा रहे थे। दरअसल सरकार में बैठे नेता सब कुछ अपनी सुविधानुसार चलाना चाहते हैं वह इस बात की कतई भी परवाह नहीं करते हैं कि न्यायालय ने क्या आदेश दिया है या फिर विपक्ष क्यों हल्ला कर रहा है उन्हें इस बात से भी कोई सरोकार नहीं है कि इन मलिन बस्तियों में रहने वालों का भविष्य क्या है उनकी सोच सिर्फ अपने राजनीतिक हितों तक ही सीमित है। वह कैसे आसानी से साध जा सकते हैं? लेकिन इस तरह की राजनीति जनहित कारी नहीं मानी जा सकती है। सरकार ने अब इन मलिन बस्तियों को 3 साल के लिए सुरक्षा कवच तो पहना दिया है लेकिन उनके भविष्य का सवाल आज भी सवाल ही बना हुआ है यह सवाल 9 सालों में भी हल हो सकेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है इन तीन सालों में न जाने कितनी राजनीतिक उठा पटक होगी और स्थितियां बदलेगी? आगे 3 साल बाद आने वाले नेता व सरकार जाने समझे फिलहाल वह सत्ता में है उन्होंने अपने पूरे विवेक से जो करना चाहिए था कर दिया है।

भारी मात्रा में चरस सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। चरस तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 830 ग्राम चरस व तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना मुनिकीरेती पुलिस व सीआईयू टीम ने एक सूचना के आधार पर चैकिंग अभियान चला कर स्कूटी सवार दो लोगों को रोका और उनकी तलाशी ली गयी तो उनके पास से 830 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम नवीन बिष्ट पुत्र रमेश बिष्ट निवासी ग्राम उलडियाना धौतरी उत्तरकाशी हाल होटल वलीना तपोवन मुनीकीरेती टि.ग. व प्रवीण दास पुत्र तुलसीदास निवासी ग्राम बुगाला पावकी देवी थाना मुनि की रेती टिहरी गढ़वाल हाल तपोवन कॉटेज होटल मुनि की रेती बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी तपोवन स्थित होटल और रेस्टोरेंट में नौकरी करते हैं तथा पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि हम लोग उत्तरकाशी और चमोली से चरस मंगाते हैं तथा होटल में आने वाले ग्राहकों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बेच कर मुनाफा कमाते हैं तथा विगत 8 माह से यह काम कर रहे है। बहरहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

जिप्ती-गाला मोटर मार्ग के सुधारीकरण तथा डामरीकरण की मांग

कार्यालय संवाददाता

धारचूला। जिप्ती-गाला मोटर मार्ग के सुधारीकरण तथा डामरीकरण की मांग को लेकर गुरुवार को एक प्रतिनिधि मंडल ने उप जिलाधिकारी मनजीत सिंह से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि सीमा सड़क संगठन की लापरवाही के कारण दो ग्राम पंचायतों के 1559 की आबादी को सड़क होने के बावजूद भी यातायात सुविधा का नियमित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उप जिलाधिकारी ने सीमा सड़क संगठन के ऑफिसर कमांडेंट से टेलीफोन पर वार्ता की। उन्होंने कहा कि इस समस्या का शीघ्र ही हल निकाला जाएगा।

जिप्ती से गाला तक बने 7 किलोमीटर मोटर मार्ग को सीमा सड़क संगठन के द्वारा बनाया गया है। आज भी इस मोटर मार्ग की जिम्मेदारी इसी संगठन के पास है। संगठन की ओर से मामूली मरम्मत का कार्य तो किया जाता है, लेकिन सड़क जिन जिन स्थानों पर जर्जर हो गया है, उन स्थानों पर स्थाई मरम्मत का कार्य नहीं किया जा रहा है। इस कारण ग्राम पंचायत बुंग-बुंग तथा जिप्ती गाला के नागरिकों को मोटर मार्गीय सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई बार ग्रामीणों को सड़क होने के बाद भी 7 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

●20 सालों से लटका है मरम्मत तथा डामरीकरण
●15 दिन में हल नहीं निकला तो होगी महापंचायत

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया, पूर्व ग्राम प्रधान कुंदन सिंह भंडारी, देवी दत्त उपाध्याय तथा छिपला केदार टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष केसर सिंह धामी ने आज उप जिलाधिकारी मनजीत सिंह को एक ज्ञापन सौपा। उन्होंने कहा कि इस सड़क की मरम्मत तथा डामरीकरण के कार्य का इंतजार 20 वर्षों से स्थानीय जनता कर रही है।

उन्होंने कहा कि सीमा सड़क संगठन के अपने बहाने है। सीमा सड़क संगठन इस सड़क का कार्य करें या इस सड़क को अब छोड़ दे ताकि राज्य सरकार की कोई एजेंसी इस सड़क को कम से कम यातायात के लायक बना सके।

उप जिलाधिकारी मनजीत सिंह ने आश्वासन दिया कि सीमा सड़क संगठन से बातचीत हुई है। आगे भारतीय सेना तथा पैरामिलिट्री से भी बातचीत की जाएगी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि 15 दिन के भीतर प्रशासन द्वारा फैसला नहीं लिया गया तो दोनों ग्राम पंचायतों की आम जनता की एक महापंचायत बुलाई जाएगी। इस महापंचायत में आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी।

मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा दलित परिवार पर हमले का आरोप

संवाददाता

देहरादून। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा दलित परिवार पर हमला करने का आरोप लगाया। एसपी सिटी ने सम्बन्धित थाना पुलिस से वार्ता कर एससीएसटी की धारा में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिये।

आज यहां बजरंग दल के कार्यकर्ता विकास वर्मा के नेतृत्व में एसएसपी कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन किया। जिसके बाद एसपी सिटी मौके पर पहुंचे। बजरंग दल कार्यकर्ताओं का कहना है कि आईएसबीटी चौकी क्षेत्र में स्थित कारगी गांव में रहने वाले पासवान परिवार पर करवा चौथ के दिन मुस्लिम समाज के लोगों के द्वारा घर में घुसकर मारपीट कर महिलाओं के साथ अभद्रता करने के साथ ही छोटे बच्चों को भी निशाना बनाया गया। जिसके बाद आईएसबीटी चौकी पर सूचना देने पर पुलिस आरोपियों को लेकर चौकी आयी। उनका आरोप है

❑बजरंग दल ने किया एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

कि पुलिस ने सभी आरोपियों को चौकी से ही छोड दिया। जबकि उनपर गम्भीर धाराएं लगनी चाहिए थी लेकिन पुलिस ने ऐसा नहीं किया। उनका आरोप था कि आईएसबीटी चौकी पुलिस की मिली भगत के चलते उक्त लोगों के हौंसले बढ गये हैं वह आये दिन हिन्दु परिवारों को अपना निशाना बना रहे हैं। लेकिन पुलिस उनके खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नही करती है। एसपी सिटी प्रमोद कुमार ने पटेलनगर कोतवाल कमल कुमार लुण्ठी से वार्ता कर मामले में एससीएसटी की धारा बढाने के आदेश दिये जिसके बाद बजरंग दल कार्यकर्ता ने प्रदर्शन समाप्त किया।

दीपावली मेले की अनापत्ति निरस्त करने पर किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। दीपावली मेले की अनापत्ति निरस्त करने पर विभिन्न संगठनों ने मिलकर नगर निगम में धरना प्रदर्शन किया। अनापत्ति मिलने के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हुआ।

आज नगर निगम में दीपावली मेले की अनापत्ति निरस्त को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसको समर्थन देने पहुंचे उत्तराखंड क्रांति सेना प्रदेश से अध्यक्ष ललित श्रीवास्तव, पहाड़ी स्वाभिमान सेना से पंकज उनियाल, श्री राजपूत करणी सेना से प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर शक्ति सिंह, राष्ट्रीय हिन्दू संगठन से प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद शुक्ला व चंद्रबनी समन्वय संघर्ष समिति, गौतम कुण्ड मंदिर समिति आदि संगठन उपस्थित रहे। श्री गंगा उद्धार सेवा समिती के महासचिव ललित श्रीवास्तव ने कहा दीपावली हमारे मुख्य त्योहारों में से एक है और बड़े हर्ष उल्हास से हर वर्ष ये मेला लगाया जाता हमने सारी शर्तें पूरी कर मेले की परमिशन हासिल की। परंतु इस बार कुछ फर्जी राजनीति करने वाले लोग व असामाजिक लोगों द्वारा इसका विरोध किया गया जिसके बाद नगर निगम ने हमारी अनापत्ति निरस्त की जिसका हम सब पुरजोर विरोध करते है। वहीं श्री गंगा उद्धार सेवा समिती की सचिव माधुरी नेगी ने कहा 25 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक मेला लगना है सारी तैयारियों हो गई है, इन सब के बाद नगर निगम द्वारा हमारी अनापत्ति निरस्त की गई।

प्रदर्शन करने वालों में पूर्व ब्लॉक प्रमुख विपिन कुमार, अनिल, गणेश शर्मा, राजेंद्र पढ्नी, धीरज, पूजा, महेंद्र जोशी, शिव नाथ, नंदगिरि महराज, चंद्रमोहन गर्ग, अनुज प्रधान, योगेश, नीलकमल चंद, उर्मिला तमांग, कुसुम थापा, आशा थापा आदि लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है केले का अधिक सेवन, हो सकती हैं ये समस्याएं

केले का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसमें आयरन, पौटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, फास्फोरस और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसी वजह से लोग इसका सेवन करना पसंद करते हैं, लेकिन अगर केले का अधिक सेवन किया जाए तो यह आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आज आपको बताते हैं कि केले का अधिक सेवन करने से किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बढ़ सकता है वजन

केले का अधिक सेवन बढ़ते वजन का कारण बन सकता है और इसकी मुख्य वजह इसमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट और कैलोरी है। इस समस्या को सामान्य न समझें क्योंकि यह शरीर को कई अन्य बीमारियों का घर बना सकती है। इसलिए रोजाना सीमित मात्रा में ही केले का सेवन करें। वैसे कभी-कभी कुछ शारीरिक समस्याओं के कारण भी लोगों का वजन बढ़ने लगता है, इसलिए बढ़ते वजन की समस्या की असल वजह जानने के लिए डॉक्टर से संपर्क करें।

कब्ज होना

केले का अधिक सेवन पाचन तंत्र के स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है क्योंकि पाचन तंत्र केले की अधिक मात्रा को सही ढंग से पचाने में असमर्थ रहता है। इसके कारण व्यक्ति को कब्ज की समस्या होने की अधिक संभावना रहती है। इसके अलावा इसकी वजह से गैस, पेट दर्द और पेट में जलन जैसी कई तरह की समस्याओं से भी जूझना पड़ सकता है। इसलिए भूल से भी केले का अधिक सेवन न करें।

मधुमेह होने का रहता है खतरा

केले का अधिक सेवन शरीर में रक्त शर्करा का स्तर बढ़ा सकता है और इससे व्यक्ति के इंसुलिन में भी बदलाव होने लगता है। यह बदलाव मधुमेह का खतरा उत्पन्न कर सकता है। बता दें कि मधुमेह एक गंभीर समस्या है, जो व्यक्ति को मौत के मुंह में भी धकेल सकती है। इसलिए जिन लोगों को पहले से ही मधुमेह है तो वे कम ही केलों का सेवन करें। वहीं स्वस्थ व्यक्ति भी सीमित मात्रा में केले खाएं।

बढ़ सकती है माइग्रेन की समस्या

कई अध्ययनों में इस बात का जिक्र मिलता है कि केले के अधिक सेवन से माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है क्योंकि इसमें टायरामाइन नामक एक खास तत्व मौजूद होता है। यह तत्व माइग्रेन की समस्या को बढ़ा सकता है, इसलिए अगर किसी को पहले से ही माइग्रेन की समस्या है तो वह इसका सेवन करने से बचें। वहीं जिन लोगों को यह समस्या नहीं है, उन्हें केले के अधिक सेवन से तेज सिरदर्द का सामना करना पड़ सकता है।

लिपस्टिक से जुड़े इन भ्रमों को सही मानती हैं महिलाएं, जानिए इनकी सच्चाई

लिपस्टिक न सिर्फ होंठों को रंगने का काम करती है, बल्कि इनसे होठों की त्वचा भी प्रभावित होती है और इसी कारण हमेशा अच्छी क्वालिटी की लिपस्टिक लगाने की सलाह दी जाती है। हालांकि होंठों की देखभाल करने के चक्कर में महिलाएं लिपस्टिक से जुड़े कई भ्रमों पर भी बिना सोचे-समझे भरोसा करने लगती हैं। आज हम आपको लिपस्टिक से जुड़े ऐसे ही कुछ भ्रमों और उनकी सच्चाई बताने जा रहे हैं।

भ्रम- लिपस्टिक से होंठ हो जाएंगे डार्क

लिपस्टिक से जुड़ा एक भ्रम यह है कि इसके इस्तेमाल से से होंठ डार्क हो जाते हैं, लेकिन ये सच नहीं है। कुछ लिपस्टिक जरूर महिलाओं के होंठों पर दाग का कारण बन सकती हैं, लेकिन अगर महिलाएं हर दिन होंठों को अच्छे से साफ करें तो डार्क होंठों की समस्या नहीं होनी चाहिए। वैसे काले होंठ आनुवंशिक या धूम्रपान, सन डैमेज या फिर होंठों को मॉइस्चराइज न करने जैसे अन्य कारणों की वजह से भी हो सकते हैं।

भ्रम- लिपस्टिक होंठों को रूखा बनाती है

शायद यह सबसे आम भ्रम है कि लिपस्टिक होंठों को रूखा बनाती है, लेकिन यह बात सच से कोसों दूर है। जिन महिलाओं को ठीक से लिपस्टिक अप्लाई करना नहीं आता, उन्हें अक्सर इस समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर लिपस्टिक को अप्लाई करने से पहले होंठों को एक्सफोलिएट करके लिपबाम अप्लाई किया जाए तो इससे लिपस्टिक और होंठों के बीच में एक बैरियर बन जाता है जिससे होंठ रूखे नहीं होते।

भ्रम- रेड लिपस्टिक सिर्फ फेयर स्किन टोन पर अच्छी लगती है

बहुत सी महिलाओं का ऐसा मानना है कि रेड लिपस्टिक सिर्फ फेयर स्किन टोन पर अच्छी लगती है, जबकि यह पूरी तरह से एक भ्रम है। महिलाओं की स्किन टोन चाहे जो भी हो, लेकिन होंठों पर लगी रेड लिपस्टिक उनके लुक को खूबसूरत बनाती है। दरअसल, मार्केट में रेड लिपस्टिक के कई शेड्स उपलब्ध हैं, इसलिए यह जरूरी है कि आप अपनी स्किन टोन को ध्यान में रखते हुए रेड लिपस्टिक का शेड चुनें।

भ्रम- लिपस्टिक लगाने से पहले हमेशा अपने होंठों पर लिप पेंसिल लगाएं

यह भी सिर्फ एक भ्रम के अलावा और कुछ नहीं है क्योंकि अगर महिलाएं लिप पेंसिल को पहले होंठों पर अप्लाई करती हैं तो इससे बाद में लिपस्टिक हटाने पर होंठों के चारों ओर रिंग्स नजर आते हैं जो देखने में बेहद भद्दे लगते हैं। इसलिए पहले अपनी लिपस्टिक लगाएं और फिर अपने होंठों की लाइन पर लिप पेंसिल फेरे या फिर लिप पेंसिल का उपयोग ही न करें। (आरएनएस)

कैसे की जाती है फोम रोलर एक्सरसाइज ?

फोम रोलर एक तरह की दर्द निवारक एक्सरसाइज है। इससे हमारा मतलब यह है कि इस एक्सरसाइज की मदद से शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द को दूर किया जा सकता है। इसके लिए बस आपको एक 18 इंच या 36 इंच के फोम रोलर के जरुरत पड़ेगी। आइए आज आपको फोम रोलर एक्सरसाइज करने का तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावधानियां और एक्सरसाइज के दौरान ध्यान में रखने वाली बातों के बारे में बताते हैं।

अभ्यास

फोम रोलर एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले फोम रोलर को उस जगह पर रखें, जहां आपको दर्द है या फिर आप शरीर के जिस हिस्से की मांसपेशियों की मसाज करना चाहते हैं। इसके बाद हल्का सा दबाव बनाते हुए आपको कुछ सेकेंड धीरे-धीरे ऊपर नीचे और आगे पीछे होना है। अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कुछ दिनों तक इसका समय 15 से 2० सेकेंड रखें, फिर समय सीमा को बढ़ाकर 4० से 6० सेकेंड कर दें।

सावधानियां

फोम रोलर को कभी भी अपनी हड्डी के जोड़ो पर रोल न करें क्योंकि इससे उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अगर शरीर के किसी हिस्से में चोट लगी हो या सर्जरी हुई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। गर्भवती महिलाएं इस एक्सरसाइज को करते समय संतुलन बनाने में अधिक सावधानी बरतें या फिर इस एक्सरसाइज को न ही करें। बेहतर होगा कि आप शुरूआत में इस एक्सरसाइज का अभ्यास किसी ट्रेनर की निगरानी में करें।

फायदे

फोम रोलर एक्सरसाइज तंग मांसपेशियों को ठीक करने में मदद कर सकती है और यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और इससे शरीर में लचीलापन आता है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। इस एक्सरसाइज से स्टेमिना बढ़ाने में भी काफी मदद मिलती है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मददगार है।

टिप्स

शुरूआत में इस एक्सरसाइज को अधिक समय तक न करें, बल्कि धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं। एक्सरसाइज करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी सांस को रोककर न रखें। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने सिर और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें और न ही एक्सरसाइज के दौरान अपने शरीर के किसी भी हिस्से को जकड़ें क्योंकि इस वजह से चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है।

सर्दियों के कपड़े अलमारी में रखते समय अपनाएं ये टिप्स

सर्दी के मौसम ने दस्तक दे दी है और लोग अलमारी में अपने गर्म कपड़ों के लिए जगह बनाने लग गए हैं। हालांकि सर्दियों के कपड़े जगह ज्यादा लेते हैं, जिस कारण अलमारी काफी खराब लगने लगती है। आइए आज हम आपको कुछ बेहतरीन टिप्स के बारे में बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप सर्दियों के कपड़ों को इस तरह अलमारी में रख सकते हैं कि वे ज्यादा जगह नहीं घेरेंगे।

सर्दियों के कपड़ों को अलमारी में रखने से पहले यह पता करें कि आप कौन से गर्म कपड़े रखना चाहते हैं और कौन से दान करना चाहते हैं। दरअसल, उन कपड़ों को अलमारी में रखने का कोई मतलब नहीं है जिनको आप पहनना पसंद नहीं करते हैं या जो काफी खराब दिखने लगे हैं। आप चाहें तो बिना इस्तेमाल वाले गर्म कपड़ों को धोकर किसी जरूरतमंद को दान कर सकते हैं।

अगर आपकी अलमारी में अधिक शेल्फ नहीं हैं तो आप अपने सर्दियों के कपड़ों को अलग-अलग करने के लिए कॉटन बैग्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये तरीका काफी आसान भी है और इससे आप एक बार में एक ही शेल्फ में कई अलग-अलग तरह के कपड़े स्टोर कर पाएंगे। बैग्स में कपड़ों को फोल्ड करके रखें। ऐसा करने से नमी के कारण कपड़ों के खराब होने का खतरा नहीं रहेगा।

हैंगर का इस्तेमाल करके फुल स्लीव्स के कपड़ों को अलमारी में रखना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि हैंगर के इस्तेमाल से काफी जगह बचती है। हालांकि अगर आपके कपड़ों की स्लीव्स बहुत लंबी हैं तो आप हैंगर का इस्तेमाल करते समय स्लीव्स को फोल्ड कर सकते हैं। ऐसा करने से कपड़े ज्यादा जगह नहीं लेंगे और अलमारी के बाकी सेक्शन में आप अन्य चीजों को आसानी से स्टोर कर पाएंगे।

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं ये पेय पदार्थ, जानिए इनकी रेसिपी

आजकल मार्केट में ऐसे कई पेय पदार्थ मौजूद हैं, जिनकी पैकिंग पर हेल्दी और न्यूट्रीशियस जैसे शब्द लिखे होते हैं। हालांकि, इनमें से अधिकतर पेय पदार्थों में आर्टिफिशियल फ्लेवर्स या फिर आर्टिफिशियल रंग के साथ-साथ कई चीजें शामिल होती हैं, जो कि बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे पेय पदार्थों की रेसिपी बताते हैं, जिनका सेवन बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

टैंगी इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक

इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक्स सोडियम, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और कई विटामिन्स से समृद्ध होती हैं, जो बच्चों की सेहत के लिए लाभदायक हैं। घर पर टैंगी इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक बनाने के लिए सबसे पहले एक जार में आधा कप ताजा संतरे का जूस, एक चौथाई कप ताजा नींबू का रस, दो कप फिल्टर पानी या फिर नारियल का पानी अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण में दो चम्मच शहद और एक चुटकी काला नमक मिलाएं, फिर बच्चे को इसका सेवन करवाएं।

कूल कोकोनट ड्रिंक

कूल कोकोनट ड्रिंक की मुख्य सामग्री नारियल पानी है, जो विटामिन-सी, फाइबर, कैल्शियम और आयरन जैसे जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसलिए इससे बने पेय पदार्थ बच्चों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। कूल कोकोनट ड्रिंक बनाने के लिए एक जार में तीन कप नारियल का पानी, एक कप सामान्य पानी, आधा कप ताजा नींबू का रस, दो चम्मच शहद और एक चुटकी नमक मिलाएं, फिर बच्चों को इसका सेवन करवाएं।

स्ट्रॉबेरी और नारियल पानी की ड्रिंक

इसके लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर के जार में तीन कप नारियल पानी, एक कप स्ट्रॉबेरी, एक कप पानी, आधी छोटी चम्मच सी सॉल्ट और दो बड़ी चम्मच शहद या फिर मेपल सिरप डालकर सभी चीजों को अच्छे से ब्लेंड कर दें। इसके बाद बच्चों को यह पेय पदार्थ गिलास में डालकर परोसें। स्ट्रॉबेरी और नारियल के पानी से बनाई गई कई ऐसे विटामिन्स और मिनरल्स से युक्त है, जो बच्चों के लिए जरूरी हैं।

कीवी का जूस

कीवी विटामिन-सी, डाइटरी फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण का बेहतरीन स्त्रोत है, इसलिए बच्चों के लिए कीवी के जूस का सेवन करना भी लाभदायक है। कीवी का जूस बनाने के लिए सबसे पहले दो से तीन कीवी को धोकर काट लें और इन्हें आधा गिलास पानी, पुदीने के कुछ पत्तों, अदरक के रस, स्वादानुसार शहद और चुटकी भर काले नमक के साथ मिक्सर में डालकर अच्छे से पीसें। इसके बाद छलनी से जूस को गिलास में छानकर बच्चों को पिलाएं।

क्या आप जानते हैं?

न्यजबाइट्स प्लस (बोनस इंफो)

ध्यान रखें कि बच्चों को कार्बोनेटेड पेय पदार्थ, कैफीन पेय पदार्थ, पैकेज्ड फलों का रस, पैकेज्ड स्मूदी या फिर शेक आदि का सेवन करवाना गलत है क्योंकि इनसे बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है और वह कई बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

कुशन कवर्स खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, घर लगेगा खूबसूरत

घर की सजावट के लिए लोग कई तरह की चीजें खरीदना पसंद करते हैं, उन्हीं में से एक है कुशन कवर। जी हां, सोफे या फिर कुर्सी की शोभा बढ़ाने में कुशन कवर्स काफी मदद करते हैं। हालांकि, ऐसा तभी संभव है, जब आप सोच-समझकर अपने घर के लिए कुशन कवर्स का चयन करें। आइए जानते हैं कि कुशन कवर्स खरीदते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप अपने घर के लिए परफेक्ट कुशन कवर्स खरीद सकें।

कुशन कवर्स की खरीदारी करते समय उनके फैब्रिक पर ध्यान देना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका फैब्रिक उनकी शेल्फ लाइफ ही नहीं बल्कि लुक पर भी प्रभाव डालता है। अगर आप कुशन कवर्स के जरिए अपने लिविंग रूम को खास अवसरों पर अलग लुक देना चाहते हैं तो ऐसे में लिनन, जेकक्वार्ड और वेलवेट का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप एक लॉन्ग लास्टिंग कुशन कवर्स की तलाश में हैं तो ऐसे में पॉलिएस्टर और कॉटन विकल्प बेहतर होगा।

जब भी आप कुशन कवर्स खरीदने जाए तो उसके माप और आकार पर खास ध्यान दें। यूं तो मार्केट में स्टैन्डर्ड चकोर आकार के कुशन मिलते हैं, जिनके कवर्स भी आसानी से मौजूद हैं, लेकिन अगर अपने अपने घर के लिए कुशन को कस्टमाइज करवाया है तो यह जरूरी है कि आप उसके माप और आकार पर अतिरिक्त ध्यान दें। हालांकि, आपको कुशन के अनुसार कवर्स न मिलें तो आप अलग से फैब्रिक खरीदकर कुशन कवर्स को सिलवाएं।

कुशन कवर्स के रंग की बात करें तो इनका रंग आदर्श रूप से बाकी सामान के हिसाब से होना चाहिए। आप ऐसे कुशन कवर्स चुन सकते हैं, जिनका रंग कमरे की सजावट से मिलता हो या फिर जिनका रंग सामानों के रंग के बिल्कुल विपरीत हो। बेहतर होगा कि आपके कुशन कवर्स का रंग ऐसा हो जो आपकी सोफे के रंग से मेल खाता हो। इस तरह के कुशन कवर्स देखने में बेहद ही खूबसूरत लगते हैं।

बाजार में मौजूद कुशन कवर्स में प्रिंट्स और डिजाइन्स की भी कोई कमी नहीं है, इसलिए आपको अपने कुशन के प्रिंट्स भी समझदारी से चुनने चाहिए। उदाहरण के लिए, अगर आपके कमरे की दीवारें प्लेन हैं तो आप ग्राफिक प्रिंटेड या बोल्ड पैटर्न कवर्स को चुन सकते हैं। वहीं, अगर आप कमरे को एलीगेंट लुक देना चाहते हैं या उसमें एक ताजगी शामिल करना चाहते हैं तो फ्लोरल प्रिंटेड कवर्स को चुनना बेहतरीन है।

कान की बदबू को दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

कान से आने वाली बदबू आपको लोगों के सामने शर्मिंदा कर सकती है। आमतौर पर यह समस्या कान की ठीक से सफाई न करने, फुंसी निकलने, इंफेक्शन होने या फिर कान में मैल जमने आदि के कारण उत्पन्न होती है। खैर, वजह चाहें जो भी हो, आज हम आपको कुछ ऐसे असरदार घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर कान से आने वाली बदबू को जल्दी दूर किया जा सकता है।

कान की बदबू को दूर करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए दो चम्मच पानी में थोड़ा बेकिंग सोडा मिलाकर पतला घोल बनाएं। अब इस घोल की कुछ बूंदे अपने कान में डालकर एक से दो मिनट के लिए रूके। इसके बाद कान को जमीन की तरफ झुकाएं ताकि बेकिंग सोडा का घोल निकल जाए। इससे आपके कान से बदबू दूर हो जाएगी और मैल भी साफ हो जाएगी।

अगर मैल जमा होने के कारण आपके कान से बदबू आ रही है तो आप उसे सेब के सिरके से दूर कर सकते हैं। दरअसल, सेब के सिरके में एसिडिक गुण होते हैं, जो कान में मौजूद को फुलाकर बाहर कर देता है। समस्या से राहत पाने के लिए पहले एक कटोरी दो चम्मच डिस्टिल्ड वाटर और आधी चम्मच सेब का सिरका अच्छे से मिलाएं। अब इसे कान में डालकर दो मिनट रूकें, फिर ईयरबड से कान को साफ करें।

लहसुन में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो इंफेक्शन से राहत दिलाकर कान की बदबू को दूर कर सकते हैं। इसके लिए पहले नारियल के तेल में लहसुन की कुछ कलियों को डालकर गर्म करें, फिर इसे ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए तो इयरबड की मदद से कान में यह तेल लगाएं। ऐसा लगातार कुछ दिनों तक करते रहने से कान से आने वाली बदबू छूमंतर हो जाएगी।

कान से बदबू दूर करने के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल सबसे प्रभावी घरेलू उपचारों में से एक है। लाभ के लिए पहले जैतून के तेल को हल्का गर्म कर लें। इसके बाद इसे बदबू से प्रभावित कान में इयरबड की मदद से धीरे-धीरे लगाएं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्दन में होने वाले दर्द से हो जाएं सावधान क्योंकि हो सकते हैं ये सर्वाइकल के लक्षण!

पहले सर्वाइकल पेन सिर्फ बड़ी उम्र के लोगों को होता था, लेकिन अब यह तेजी से युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है। यह बीमारी बड़े पैमाने पर देखी जा रही है, खासकर उन युवाओं में जो ऑफिस में घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं। शरीर के किसी भी हिस्से में होने वाला दर्द पूरे शरीर को असंतुलित कर सकता है, ऐसे में सर्वाइकल पेन ने युवाओं का जीना मुश्किल कर दिया है। गर्दन में होने वाले दर्द को मेडिकल भाषा में सर्वाइकल पेन कहा जाता है। यह दर्द आमतौर पर उन लोगों में देखा जाता है जो घंटों बैठकर काम करते हैं।

सर्वाइकल पेन के लक्षण

अगर इसके लक्षणों की बात करें तो शरीर में इसके कई लक्षण होते हैं। जिनमें सबसे प्रमुख है गर्दन में दर्द होना। इस स्थिति में गर्दन में रुक-रुक कर दर्द होता है। कभी तेज तो कभी हल्का। इसके कारण कई युवाओं को अपने दैनिक कार्य करने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

सर्वाइकल पेन में गर्दन में अकड़न भी देखने को मिलती है। गर्दन की हालत ऐसी हो जाती है कि उसे हिलाना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार गर्दन से शुरू होने वाला दर्द उंगलियों तक पहुंच जाता है। यह दर्द इतना तेज होता है कि इसे सहन करना मुश्किल हो जाता है।

सर्वाइकल पेन में हाथों में भी कमजोरी आने लगती है। जिसके कारण दैनिक कार्य करने में दिक्कतें आती हैं। इससे मांसपेशियों में अनैच्छिक संकुचन होता है।

ये मुख्य लक्षण हैं।

ऐसे लक्षण महसूस होने पर मरीज को तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। लेकिन अब आइए जानें कि सर्वाइकल पेन क्यों होता है?

सर्वाइकल पेन क्यों होता है?

मांसपेशियों में खिंचाव, गलत मुद्रा में बैठना, लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल का इस्तेमाल करना, पर्याप्त नींद न लेना सर्वाइकल पेन का कारण बनता है। यह बीमारी खास तौर पर आईटी प्रोफेशनल्स में बड़े पैमाने पर देखी जाती है। जो लंबे समय तक बैठे रहने वाली जॉब करते हैं। सर्वाइकल पेन का इलाज क्या है? वहीं अगर इसके इलाज की बात करें तो डॉक्टर इसके पीछे की वजह बताते हुए कहते हैं कि सबसे पहले आपको यह पता लगाना होगा कि आपको सर्वाइकल पेन क्यों हो रहा है। क्योंकि कई मामलों में देखा जाता है कि दर्द के कारण अलग-अलग होते हैं, उसी के अनुसार आपके लिए इलाज का मार्ग प्रशस्त होगा।

अगर सर्वाइकल पेन गलत पोस्चर में बैठने की वजह से हो रहा है तो ऐसी स्थिति में मरीज को बिना किसी देरी के अपने बैठने की मुद्रा बदलनी होगी। इससे मरीज को राहत मिलने की पूरी संभावना है। इसके अलावा दर्द से राहत पाने के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें। क्योंकि आमतौर पर व्यायाम के अभाव में भी शरीर के किसी हिस्से में दर्द देखा जाता है और अगर यह दर्द गंभीर रूप ले रहा है तो ऐसी स्थिति में आपको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और उनके सुझावों का पालन करना चाहिए।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -106

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

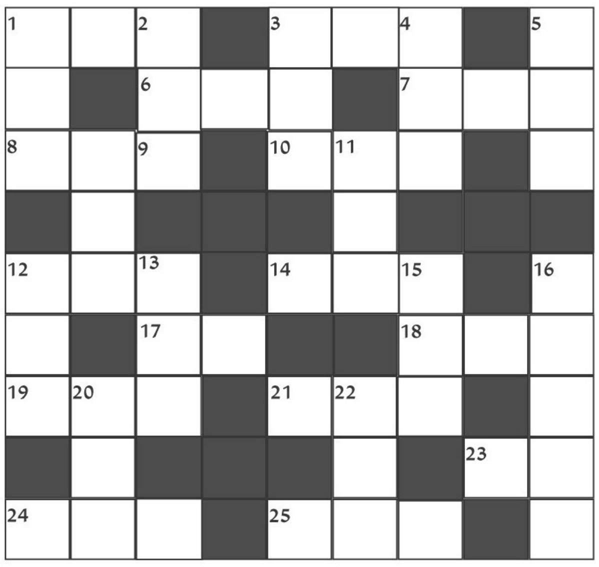

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 105 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

अरशद वारसी ने उग्रवादियों के खिलाफ उठाए औजार...!

अरशद वारसी और मेहर विज स्टारर फिल्म बंदा सिंह चौधरी का बेहतरीन ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म भारत और पाक के युद्ध 1971 के बाद दोनों देशों में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर बेस्ड है। फिल्म में अरशद वारसी और मेहर विज अहम रोल में नजर आने वाले हैं। जिनकी प्यार के कहानी के बीच सांप्रदायिक तनाव ने खटास पैदा कर दी है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक सक्सेना ने किया है। फिल्म मौजूदा महीने को रिलीज होने जा रही है।

बंदा सिंह चौधरी के ट्रेलर की शुरुआत अरशद वारसी से होती है और वह शीशे में अपने बालों को बनाते दिख रहे हैं और इसके बाद फिल्म की हीरोइन मेहज विज की एंट्री होती है, जिसे देख अरशद का दिल फिसल जाता है। 1975 के बैकड्रॉप में चल रहे सीन में अरशद मेहर से शादी करने के लिए उतावले हो रहे हैं, वहीं अगले सीन में धमाका होता है और ट्रेलर का रुख रोमांटिक से सीधा हमलों पर आ जाता है,

उग्रवादी अरशद के गांव में आते हैं और कहते हैं हिंदू पंजाब छोड़ो, इसके बाद कहानी में नई ट्विस्ट आता है और फिर पंजाबी और उग्रवादियों में जंग छिड़ जाती है। अरबाज खान प्रोडक्शंस में बनी फिल्म बंदा सिंह चौधरी आगामी 25 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है। एककेएस मूवीज एंटरटेनमेंट, आआफिल्म्स, मेहर विज प्रोडक्शंस और जी म्यूजिक कंपनी की पेशकश फिल्म दर्शकों को इस्टोरिकल फेज दिखाने जा रही है। फिल्म में भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री मेहर विज ने कहा कि जब सब कुछ बिखर जाता है तब यह कहानी उम्मीद और प्यार पाने के बारे में है। यह उस समय मजबूती से खड़े रहने के बारे में है जब दुनिया आपके इर्द-गिर्द बिखर जाती है।

फिल्म अपने किरदारों के माध्यम से समुदाय और देश के बीच तनाव को दिखाती है। जिसमें एकता की लड़ाई में दिल और संकल्प दोनों की मजबूती का परीक्षण होता है। फिल्म के निर्माता अरबाज खान ने कहा, बंदा सिंह चौधरी संघर्ष की कहानी नहीं है, यह एक ऐसे राष्ट्र की ताकत को दर्शाती है जो विभाजनकारी ताकतों के होते हुए भी टूटने से इनकार करता है। अरबाज खान प्रोडक्शन सीमलेस प्रोडक्शंस एलएलपी और अक्स मूवीज एंड एंटरटेनमेंट बंदा सिंह चौधरी लेकर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण अरबाज खान और मनीष मिश्रा ने किया है।

भूल भुलैया 3 के ट्रेलर ने तोड़े सारे रिकॉर्ड्स, सिंघम अगेन को भी दी मात

कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म भूल भुलैया 3 का ट्रेलर बुधवार को जयपुर में सिनेमा का मंदिर कहे जाने वाले राज मंदिर में लॉन्च हुआ। 24 घंटे में ट्रेलर ने इतिहास रच दिया है, यह सबसे ज्यादा बार देखा जाने वाला हिंदी ट्रेलर बन गया है। हाल ही में कार्तिक ने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें उन्होंने लिखा कि भूल भुलैया 3 के ट्रेलर ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ये सबसे ज्यादा बार देखे जाने वाला हिंदी ट्रेलर बन गया है।

भूल भुलैया 3 की दिवाली पर सिंघम अगेन से सिनेमाघरों में टक्कर होने वाली है। दोनों के ट्रेलर भी आस पास ही रिलीज हुए हैं। पहले सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया और इसे 24 घंटे में 138 व्यूज मिले। वहीं बुधवार को कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे 24 घंटे में 155 मिलियन व्यूज मिले। जिससे भूल भूलैया 3 ने व्यूज के मामले में सिंघम अगेन को भी मात दे दी है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- इतना प्यार और सपोर्ट देने के लिए धन्यवाद, ये दिवाली भूल भुलैया वाली। पोस्टर पर लिखा है- हिस्टोरिक, भूल भुलैया 3 ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं ये 24 घंटे में 155 मिलियन से ज्यादा व्यूज पाने वाला पहला हिंदी ट्रेलर बन गया है।

3.50 मिनट के ट्रेलर में अगर किसी सीन ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है तो वो है विद्या और माधुरी का डांस। हालांकि डांस की छोटी सी झलक ही ट्रेलर में दिखाई गई है लेकिन उसे भी दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं। एक ने लिखा- विद्या और माधुरी का डांस क्या बात, मैं तो इसी के लिए एक्साटेड हूं। एक ने लिखा- ओ माय गॉड एक नहीं बल्कि दो मंजूलिका। एक ने कमेंट किया- ये पूरी तरह से विद्या और माधुरी की मूवी है। 1 नवंबर को भूल भुलैया 3 की टक्कर अजय देवगन की सिंघम अगेन से होने वाली है।

सिंघम अगेन में अजय देवगन, अक्षय कुमार, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ जैसी बेहतरीन मल्टीस्टारर कास्ट है। वहीं भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, माधुरी दीक्षित, विद्या बालन, तृप्ति डीमरी, विजय राज जैसे कलाकार खास रोल प्ले कर रहे हैं। देखना दिलचस्प होगी कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती हैं।

निक्की तंबोली ने देसी अवतार में गिराई बिजली, साड़ी पहन दिए किलर पोज

बिग बॉस 14 की एक्स कंटेस्टेंट निक्की तंबोली अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो लोग उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में निक्की तंबोली की लेटेस्ट हॉट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो गया है।

निक्की तंबोली इन दिनों सोशल पर काफी एक्टिव हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बोल्ड अवतार नजर आ रहा है। निक्की ने ऑरेंज कलर की साड़ी पहनी है और बाल खुले करके सेक्सी पोज देते नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की खूबसूरती और बोल्डनेस देख यूजर्स के होश उड़ गए हैं और कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी और रेड हार्ट की बौछार कर रहे हैं। निक्की तंबोली बिग बॉस 14 में नजर आ चुकी हैं और आजकल वे सिंगल्स कर रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं।

निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं। अभिनेत्री निक्की तंबोली फैशनिस्ट से कम नहीं हैं। उनका बोल्ड लुक अक्सर इंटरनेट पर लाइमलाइट बटौरता रहता है।(आरएनएस)

मानुषी छिल्लर ने ऑफ शोल्डर गाउन पहन दिए किलर पोज

पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी अदाओं का जलवा फैंस के बीच गजब देखने को मिलता है।

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा मानुषी छिल्लर ने हाल ही में एक शानदार ऑफ शोल्डर ब्लैक गाउन पहनकर सबको अपना दीवाना बना दिया। उन्होंने अपने किलर पोज़ से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इस लुक में मानुषी का अंदाज बेहद खास नजर आ रहा था। मानुषी ने लाइट मेकअप के साथ अपने बालों को खास अंदाज में बांधा हुआ था, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा था। उनकी हॉटनेस और कॉन्फिडेंस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया, जिससे फैंस के होश उड़ गए।

उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, और फैंस उनकी इस नई लुक की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। मानुषी छिल्लर का यह लुक साबित करता है कि वह हमेशा अपने फैशन से सबको प्रभावित करती हैं। बता दें कि मानुषी छिल्लर हमेशा अपने बोल्ड और हॉट अंदाज से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालांकि फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। साथ ही फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के जमकर प्यार लूटाते हैं।(आरएनएस)

क्रिएट इन इंडिया' के मायने : अगली सदी की गाथा और अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे- रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं।

इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण, औद्योगीकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं।

हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है।

दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च-मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया।

हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू-राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है।

यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा। सॉफ्ट पावर के मामले में, मीडिया और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने से भारत को विकृत पश्चिमी कथानकों पर लगातार प्रतिक्रिया करने के बजाय अपने खुद के कथानकों को आकार देने की सुविधा मिलेगी।

जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया, आइए हम सब मिलकर क्रिएट इन इंडिया' यानी 'भारत में सृजन करें आंदोलन शुरू करें। ऐसे में हर कोई इसके दूसरे और तीसरे क्रम के प्रभावों, खासकर कथानक-सुधार और हमारे सभ्यतागत विचारों को वैश्विक स्तर पर निर्यात करने पर पड़ने वाले प्रभाव को नहीं समझ पाया। ईस्टमैन कलर और विनाइल रिकॉर्ड की प्रौद्योगिकियों ने अमेरिका को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद की। एक्सआर और गेमिंग का युग भारत को अपने नायकों और रॉकस्टार को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने हाल ही में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के तत्वावधान में क्रिएट इन इंडिया चैलेंज की घोषणा की। यह एक अनूठा आयोजन है, जो दुनिया के सामने हमारे एवीजीसी सेक्टर के भविष्य को दर्शाता है। यह ब्रॉड स्पेक्ट्रम चैलेंज 25 प्रकार के कंटेंट और गेम में हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को प्रदर्शित करती है। भारत को ऐसे और भी दृश्यमान समारोहों की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि दुनिया हमारी रचनात्मकता और हमारी महत्वाकांक्षा को देखे।

हालांकि, इस क्षमता के द्वार को पूरी तरह से खोलने के लिए, भारत को भी भारी निवेश करना होगा। एवीजीसी सेक्टर डिजिटल इंटरैक्शन और मनोरंजन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। भविष्य के इस द्वार को खोलने के लिए कौशल-विकास, निवेश पाइपलाइन, ऐसे प्लेटफॉर्म हैं, जो मायने रखते हैं। इसके लिए एक प्रगतिशील नियामक प्रणाली के साथ-साथ और भी कई आवश्यकताएं हैं। यह वास्तव में एक कठिन काम है। लेकिन यहां गंगोत्री स्थापित करके, भारत आने वाले वर्षों के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और कथानक में अपना नेतृत्व सुनिश्चित कर सकता है। 9अनुराग सक्सेना, नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं।9

नीतिगत मामलों के विशेषज्ञ और ऑपएड स्तंभकार हैं

सू- दोकू क्र. 106

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.105 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बालों को रंग कराने से पहले रखें ये सावधानियां

अगर आप बालों को स्टाइलिश लुक के लिए रंग करने की सोच रही हैं तो आपको कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना होगा।

अगर आप ये मानती हैं कि एकबार बाल कलर करने के बाद रंग बरकरार रहेगा तो ये आपकी गलती है। कलर करने के कुछ दिनों तक तो आपके बाल बहुत शाइन करेंगे लेकिन हर बार धोने के साथ रंग हल्का होता जाएगा। ऐसे में पहले से ही इस स्थिति के लिए तैयार रहें।

रंग कराने के बाद जब भी बाल धोयें तो ठंडे पानी का ही इस्तेमाल करें। इससे रंग जल्दी फीका नहीं पड़ता।

रंग कराने के बाद जब भी बाल धोएं हल्के रंग की तौलिया और हल्के रंग के टॉप नहीं पहनें क्योंकि इससे तौलिए और टॉप पर रंग के धब्बे पड़ सकते हैं।

रंग कराने के बाद बहुत जल्दी-जल्दी बाल न धोएं। इससे बालों का रंग बहुत जल्दी फीका पड़ जाएगा।

बाल रंग कराने के बाद हो सकता है कि आपको डैंड्रफकी परेशानी हो जाए या फ्रि आपके बाल बाल दो-मुंहे हो जाएं।

बाल रंग करने से पहले दस्ताने पहनना बिल्कुल न भूलें। वरना आपके हाथों में रंग लग जाएगा और इसे हटाने में आपको बेकार परेशानी झेलनी पड़ेगी।

शास्त्रीय भाषाओं का विस्तार

भारत सरकार ने पांच नयी भाषाओं को 'शास्त्रीय' (क्लासिकल) भाषाओं की श्रेणी में शामिल किया है। ये भाषाएं हैं- मराठी, पाली, प्राकृत, असमी एवं बांग्ला। संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया पहले से ही इस सूची में हैं। इस प्रकार अब देश में मान्यता प्राप्त शास्त्रीय भाषाओं की कुल संख्या 11 हो गयी है। उल्लेखनीय है कि 12 अक्टूबर 2004 को तमिल भाषा को शामिल करने के साथ इस सूची का प्रारंभ किया गया था। उसी वर्ष नवंबर में संस्कृत को और बाद के वर्षों में अन्य भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा दिया गया। अब यह निर्णय आया है।

ये निर्णय विशेषज्ञ समिति एवं साहित्य अकादमी द्वारा तैयार मानदंडों के आधार पर लिये जाते हैं। इस वर्ष सुझावों के आधार पर मानदंडों में कुछ संशोधन भी किये गये हैं।

सांस्कृतिक विविधता एवं समृद्धि की दृष्टि से भारत विश्व में अतुलनीय स्थान रखता है। 'कोस कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी' की विशिष्टता वाले हमारे देश में अनेक प्राचीन भाषाएं हैं, जो अभी भी प्रचलन में हैं। यह सच है कि कुछ भाषाएं अध्ययन एवं अनुसंधान समेत कुछ विशेष कार्यों के लिए प्रयुक्त होती हैं, पर वे विलुप्त नहीं हुई हैं।

संविधान की आठवीं अनुसूची के अंतर्गत भारतीय भाषाओं का एक वर्गीकरण होता है। जनगणना के दौरान लोगों द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर भाषियों की गिनती की जाती है। केंद्र और राज्यों के स्तर पर विभिन्न भाषाओं को संरक्षित करने, उपलब्ध साहित्य का अनुवाद एवं प्रकाशन कराने तथा विकसित करने के कई कार्यक्रम चलते रहते हैं। पांडुलिपियों के संग्रहण और संरक्षण पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे में शास्त्रीय भाषाओं की सूची का विस्तार एक उत्साहजनक निर्णय है। इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इनके सांस्कृतिक एवं अकादमिक महत्व को बढ़ाने में मदद मिलेगी। साल 2008 में शास्त्रीय तमिल के लिए एक केंद्रीय संस्थान की स्थापना की गयी, जिसमें प्राचीन तमिल ग्रंथों के अनुवाद के साथ-साथ तमिल भाषा सिखाने के पाठ्यक्रम भी चलाये जाते हैं। कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उड़िया भाषाओं के लिए भी विशिष्ट केंद्र खोले गये हैं। वर्ष 2020 में संस्कृत के लिए तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना की गयी। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं। आशा है कि जिन भाषाओं को अब शास्त्रीय श्रेणी में शामिल किया गया है, उनके विकास के लिए भी अकादमिक प्रयास होंगे। संस्थाओं और नागरिकों को भी इस दिशा में योगदान करना चाहिए।

महिला-रामलीला मातृशक्ति के सशक्तिकरण का संदेशः थापर

संवाददाता

देहरादून। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि महिला रामलीला से मातृशक्ति के सशक्तिकरण का संदेश दिया जा रहा है।

यहां अशोक विहार में अजबपुर शिव मंदिर समिति द्वारा आयोजित 'महिला रामलीला' का 18 से 27 अक्टूबर 2024 आयोजन चल रहा है। आज के रामलीला के सीता- हरण मंचन दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि कांग्रेस प्रवक्ता व श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने रामलीला समिति के सदस्यों के साथ दीप-प्रज्वलित कर किया।

आज रामलीला के मुख्य अतिथि कांग्रेस प्रवक्ता व श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि उत्तराखंड का इतिहास रामलीला से है और हमने भी अपनी रामलीला में पहली बार महिला किरदारों को मौका दिया और हर वर्ष एक रामलीला दिवस मातृशक्ति सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। मातृशक्ति के महिला-रामलीला में इस प्रयास से यह संदेश भी दिया जा रहा है कि महिलाएँ हर क्षेत्र में अग्रणी कार्य कर रही हैं। महिला-रामलीला के आयोजकों को भविष्य के लिए बधाई व शुभकामनाएं। कार्यक्रम में महिला रामलीला की संयोजक सरोज रावत, संगीता सेमवाल, बीना असवाल, अतिथिगणों में अभिनव थापर के साथ रामलीला समिति के महिला कार्यकारिणी सदस्या दुर्गा भट्ट व सरिता जुयाल ने भाग लिया।

गोल्डन फोरेस्ट की जमीन बेचने पर दो पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। गोल्डन फोरेस्ट की जमीन बेचने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक महानिरीक्षक निबंधन हरिद्वार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आरके स्याल पुत्र एएल स्याल निवासी मनी माजरा एवं उनके मुख्तारेआम संजय कुमार पुत्र देवकी नंदन निवासी बल्लुपुर द्वारा गोल्डन फॉरेस्ट इण्डिया लि. की भूमि व अन्य भूमि जो उनकी भूमि नहीं थी, को कूटरचित विक्रय पत्र के माध्यम से विक्रय किये जाने की कार्यवाही की गयी है। जिसके सम्बन्ध में विशेष जाँच दल द्वारा छानबीन के पश्चात जाँच आख्या तैयार की गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर की देखभाल करने वाला ही सामान लेकर हुआ फरार

संवाददाता

देहरादून। घर की देखभाल करने वाला ही सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिण्डर वैली नकरौदा निवासी सखानन्द ठाकुर ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक अक्टूबर को वह अपने परिवार के साथ अपने इलाज हेतु दिल्ली अस्पताल गया हुआ था। पीछे उसने घर की देखभाल के लिए अर्पण पुत्र सुधीर निवासी दयानन्द नगर शामली को छोड रखा था। वह 23 अक्टूबर 24 को जब अपने घर वापस आया तो उसने देखा कि उसके घर का ताला टूटा हुआ था तथा घर के अन्दर का सामान बिखरा हुआ था यह देख कर वह घबरा गया और देखा की घर के अन्दर का सारा सामान अपनी जगह पर नही थी उसे कुछ अनहोनी होने का सदेश हुआ तो उसने आस पास पूछना शुरू किया तो आस, पास पूछने पर पता चला की उसका जानने वाला अपर्ण उसके घर के का सारा सामान प्रिज, वांशिग मशीन, 1 कर्मशियल सिलेण्डर, 02 घरेलू सिलेन्डर, 1 गैस चुल्हा, 1 एल ई0डी0 टीवी, ब्रिफकेस 02 बडा 1 छोटा, होम थिथेटर, व अन्य घरेलू सामान चोरी कर के ले गया है।

काफी तलाश करने पर उसका कुछ पता नही चला न ही उससे कोई सम्पर्क हो पाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्तरकाशी में हिन्दू संगठनों के आह्वान पर बाजार बंद

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। मस्जिद हटाने की मांग को लेकर उत्तरकाशी में हिंदू संगठन के आह्वान पर बाजार पूरी तरह से बंद किया गया है। जिस कारण बाजार में तीर्थयात्रियों को चाय-पानी तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हालांकि सुबह कुछ दुकानें खुली थी। जिन्हें हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने बंद करवा दिया है।

बता दें कि उत्तरकाशी में आज एक बड़ी जनसभा और रैली का भी आह्वान किया गया है। शांति पूर्ण रैली को लेकर जिला प्रशासन ने अनुमति दी है। हिंदू संगठन से जुड़े स्वामी दर्शन भारती भी उत्तरकाशी पहुंचे हैं। बुधवार को पुलिस अधीक्षक अमित श्रीवास्तव के निर्देश पर उत्तरकाशी पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तरकाशी पुलिस जनता की सुरक्षा एवं सेवा के लिए कटिबद्ध है, कानून एवं शान्ति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों पर पुलिस की सख्त निगरानी है। इंटरनेट मीडिया वाले असमाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विदित हो कि जिला प्रशासन की थी। जिससे मस्जिद को लेकर भ्रम की स्थिति पर विराम लगने की उम्मीद थी। उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि जिस भूमि पर मस्जिद बनी है वह भूमि खाते धारकों के नाम पर दर्ज है। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के मुस्लिम वक्फ विभाग, लखनऊ की ओर से प्रकाशित सरकारी गजट में 20 मई 1987 में यह मस्जिद उल्लेखित है। जिसमें सुन्नी वक्फ की ओर से मस्जिद का खसरा, रक्वा, नाली और ध र्मिक उद्देश्य के रूप में अंकित है। इसके अलावा इस भूमि का दाखिला 2004 में हुआ। 2005 को पारित तहसीलदार के एक आदेश में यह उल्लेखित किया गया कि संबंधित भूमि पर मस्जिद बनी हुई है।

दरअसल उत्तरकाशी में पिछले कई दिनों से संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ उत्तरकाशी आंदोलित है। इस संगठन ने आरटीआइ के तहत जिला प्रशासन से मस्जिद को लेकर सूचना मांगी। जिसमें जिला प्रशासन की ओर से आधा अधूरी सूचना दी गई। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से न तो जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई। और न आरटीआइ की रिपोर्ट को संशोधित कर भेजा गया। संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ की ओर से इस मामले में 24 अक्टूबर को उत्तरकाशी में हिंदू महा जनाक्रोश रैली की चेतावनी दी गयी थी।

हिन्दू संगठनों को रोका भटवाड़ी रोड पर, काटा बवाल

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। शहर में हिन्दू जनाक्रोश महारैली के लिए बड़ी संख्या में हिन्दू संगठनों के लोग एकत्रित हुएं। जो मुख्य बाजार होते हुए रैली भटवाड़ी रोड पहुंचे यहां हिंदू संगठन के प्रदर्शनकारियों को पुलिस नेआगे जाने से रोका। जिस पर प्रदर्शनकारियों द्वारा जमकर बवाल काटा गया।

अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत जब हिन्दू संगठनो के लोगों द्वारा निकाली जा रही महारैली को पुलिस ने भटवाड़ी रोड पर धार्मिक स्थल होने के कारण बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। इस प्रदर्शनकारी भड़क उठे और जमकर बवाल काटा और पुलिस के साथ हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं की नोंक झोंक हुई। जिस पर प्रदर्शनकारी सड़क जाम कर बैठ गये। जिसके बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन के तमाम बड़े अधिकारी प्रदर्शनकारियों को मनाने पहुंचे और विश्वनाथ चौक के रास्ते रैली को जाने की इजाजत दे दी गयी।

20 पेटी अंग्रेजी शराब व 5 पेटी बीयर सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। पहाड़ों में शराब तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 20 पेटी अंग्रेजी शराब व पांच पेटी बीयर सहित तस्करी में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज थाना मुनिकीरेती व सीआईयू टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में अवैध शराब की खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व सीआइयू की टीम ने क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को शिवपुरी मुनि की रेती के समीप एक संदिग्ध पिकअप वाहन आता हुआ दिखायी दिया।

टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वाहन चालक व उसका साथी वाहन छोड़कर भागने लगे। इस पर टीम ने घेराबंदी कर दोनो को दबोच लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखी 20 पेटी अंग्रेजी शराब व पांच पेटी बीयर उत्तराखण्ड होलोग्राम बैच लगी बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अमन कुमार पुत्र करण कुमार व मोहसिन पुत्र फुरकान निवासी सिकरोडा नवादा थाना मण्डावली जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश बताया। उत्तराखण्ड के होलोग्राम लगी शराब पर शक होने पर पुलिस ने जब उसकी जांच आबकारी विभाग से करायी तो वह गलत पायी गयी। पूछताछ करने पर आरोपियो ने बताया कि साहिल नाम के व्यक्ति द्वारा देहरादून में एक गोदाम बनाया गया है। साहिल द्वारा गाडी में ट्रैकर लगाकर उन्हें जगह बताकर माल छोड़ने के लिए भेजा जाता है और साहिल उनकी लोकेशन चैक करता रहता है। जब गाड़ी साहिल की बतायी लोकेशन पर पहुचती है तब वह आगे का रूट बताता है। बताया कि हम शराब व बीयर की पेटियों के ऊपर प्लास्टिक की पेटियां रखते है। ताकि कोई हम पर शक न करे। आरोपियों की निशादेही पर मंदाकिनी विहार लेन नं. 3 रायपुर देहरादून स्थित गोदाम की तलाशी ली गयी तो गोदाम से उत्तराखंड शासन के होलोग्राम मिले। बहरहाल पुलिस अब साहिल की तलाश में जुटी हुई है।

एक नजर

गांदरबल हमले के आतंकी की एके-47 के साथ तस्वीर सामने आई

जम्मू । कश्मीर के गंदेरबल स्थित वर्कर्स कैंप में हुए आतंकी हमले की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में दो आतंकी दिख रहे हैं, इसमें से एक के हाथ में अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन दिख रही है और दूसरे ने एके-47 पकड़ी हुई है। जिस स्थान पर आतंकियों ने पहली बार गोलीबारी की, वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जहां हमला किया वहां के सीसीटीवी फुटेज में वे एक जगह घुसते और गोलीबारी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बाहर निकलने से पहले मेस पर हमला किया और अन्य श्रमिकों को निशाना बनाया। 20 अक्टूबर को शाम करीब 7.25 बजे जब कुछ कर्मचारी डाइनिंग एरिया में बैठे थे और अन्य लोग डिनर के लिए जा रहे थे, तभी कैंप पर हमला हुआ। श्रमिकों को लगा कि कुछ लोग पटाखे फोड़ रहे हैं। हालांकि, दो से तीन मिनट के भीतर उन्हें एहसास हो गया कि यह एक आतंकवादी हमला था। अधिकारियों ने बताया कि जांच अधिकारियों को हमलावरों के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। माना जा रहा है कि हमलावर विदेशी हैं। हमले में मारे गए लोगों में कश्मीर के बडगाम का एक डॉक्टर भी शामिल है, जबकि छह अन्य घाटी के बाहर के रहने वाले थे। 20 अक्तूबर को यह आतंकी हमला हुआ था।

आतंकी हमले के बाद तुर्किये ने 2 इस्लामिक देशों पर किया हवाई हमला !

अंकारा । तुर्किये ने राजधानी अंकारा में बुधवार को हुए भीषण आतंकी हमले के जवाब में दो पड़ोसी इस्लामिक देशों को निशाना बनाया है। तुर्किये ने पड़ोसी देशों सीरिया और इराक में एयर स्ट्राइक की हैं। तुर्किये की तरफ से किए गए हवाई हमलों में दो आतंकवादियों के मारे जाने की बात कही जा रही है। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि हवाई हमले कर कुल 30 आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया गया है। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी 'तूसास' पर पर हमले को लेकर कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। राष्ट्रपति के इस बयान के कुछ देर बाद ही तुर्किये ने सीरिया और इराक पर हवाई हमला कर दिया। तुर्किये में हुए आतंकी हमले की अब तक किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदेह जताया जा रहा है कि यह हमला इराक और सीरिया में सक्रिय कुर्द दहशतगर्दों ने किया है। इस बीच तुर्किये मीडिया की तरफ से कहा गया है कि एक महिला सहित तीन हमलावर एक टैक्सी में एयरोस्पेस और डिफेंस कंपनी 'तूसास' कैंपस के प्रवेश द्वार पर पहुंचे थे। उन्होंने टैक्सी के पास में एक विस्फोटक उपकरण में विस्फोट किया, जिससे अफरातफरी मच गई और वो परिसर में घुस गए। इसके बाद तुर्किये के सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे जिसके बाद गोलियां चलने की आवाजें सुनी गईं।

आतंकवादियों ने त्राल में यूपी के मजदूर को मारी गोली

जम्मू। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटना लगातार बढ़ती जा रही है। आतंकियों ने अब नागरिकों और वहां काम करने वाले प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरवार को भी आतंकियों ने एक प्रवासी मजदूर के हाथ में गोली मार दी। आतंकियों ने एक हफ्ते में तीसरी बार इसी तरह के पैटर्न पर हमला बोला है। आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के त्राल इलाके में एक प्रवासी मजदूर को निशाना बनाया। आतंकियों की गोलीबारी में इस बार उत्तर प्रदेश का एक मजदूर घायल हो गया। घटना गुरुवार की बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बिजनौर के रहने वाले शुभम कुमार को बटागुंड गांव में आतंकवादियों ने गोली मार दी। शुभम को यह गोली हाथ में लगी है। जिसके बाद घायल मजदूर को इलाज के लिए पास के एक अस्पताल में ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि गोली लगने वाले युवक की स्थिति सुरक्षित बनी हुई है। डॉक्टरों के मुताबिक घायल युवक खतरे से बाहर बताया जा रहा है। इससे पहले आतंकियों ने रविवार को गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर हमला किया था। इस हमले में छह प्रवासी मजदूरों के साथ-साथ एक स्थानीय चिकित्सक की मौत हो गई थी। वहीं 18 अक्टूबर को शोपियां जिले में आतंकवादियों ने बिहार के एक मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राजधानी की सड़कों पर तांडव

❑भू कानून व मूल निवास के मुद्दे पर उमड़ा जन सैलाब

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अब भू-कानून और मूल निवास के मुद्दों को लेकर जनांदोलन दिनों दिन उग्र रूप लेता जा रहा है। यूकेडी के आह्वान पर आज राजधानी दून में तांडव रैली के दौरान कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच जो आक्रोश नजर आया वह तांडव से कम नहीं था। सरकार के खिलाफ जबरदस्त रोष के बीच प्रदर्शनकारी बैरिकेटिंग तोड़ते हुए सीएम आवास तक जा पहुंचे इस दौरान उनकी पुलिस कर्मियों के साथ तीखी नोकझोंक और भिड़ंत भी हुई।

विधानसभा के गैरसैण सत्र के समय से शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे अपनी चरम सीमा की ओर जा रहा है। ऋषिकेश के बाद आज दून में यूकेडी के आह्वान पर निकाली गई तांडव रैली में भारी भीड़ उमड़ी। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी शामिल थे। हजारों की तादाद में लोगों की भीड़ आज परेड ग्राउंड में जमा हुई जहां से सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए इस रैली ने सीएम आवास की तरफ कूच किया

जिन्हें रास्ते में ही पुलिस द्वारा रोक दिया गया। कुछ तो प्रदर्शनकारियों ने सड़क

❑यूसीसी को भी बताया उत्तराखंड विरोधी
❑यूकेडी कार्यकर्ताओं से पुलिस की भिड़ंत

पर ही धरना दिया वहीं अनियंत्रित भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और कुछ प्रदर्शनकारी सीएम आवास तक पहुंच गए जिनकी पुलिस के साथ भिड़ंत भी हुई।

आंदोलनकारी का आरोप है कि अब तक सरकारों ने प्रदेश को दोनों हाथों से लूटा और लुटवाया है। लेकिन अब वह ऐसा कतई भी नहीं होने देंगे। उनकी मांग है कि सरकार सख्त भू कानून लाए तथा मूल निवास 1950 से लागू किया जाए और स्थाई निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था को समाप्त किया जाए। यही नहीं इनका यूसीसी को लेकर भी यही कहना है कि वह राज्य में सरकार को यूसीसी किसी भी कीमत पर लागू नहीं करने देंगे क्योंकि यह सब जनता को बेवकूफ बनाने के लिए किया जा रहा है

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे दस हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। नौकरी दिलाने के नाम पर दस हजार रूपये की ठगी किये जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभारी अधिकारी जिलाधिकारी राजेश कपिल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि कुन्दन सिंह अधिकारी पुत्र हेम सिंह बिष्ट निवासी- कारनपाल प्यूला मलान जिला अल्मोडा द्वारा नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे 6 हजार तथा 4 हजार रूपये लिये गये हैं। परन्तु कुन्दन सिंह अधिकारी द्वारा न ही नौकरी दिलायी गयी और न ही उनके पैसे वापस किये गये। उक्त के सम्बन्ध में उपरोक्त हेम सिंह, मनवीर सिंह एवं कुन्दन सिंह अधिकारी तीनों लोग अपर जिलाधिकारी (प्र.) देहरादून के कक्ष में उपस्थित हुए। अपर जिलाधिकारी (प्र.) देहरादून द्वारा 22 अक्टूबर 2024 को उपरोक्त सभी के मौखिक बयान अंकित किये गये। पुछताछ के दौरान हेम सिंह पुत्र जीत सिंह द्वारा बताया गया कि कुन्दन सिंह अधिकारी को उनके द्वारा रूपये 6 हजार तथा मनवीर सिह पुत्र अर्जुन सिंह द्वारा कुन्दन सिंह अधिकारी को 4 हजार रूपये नौकरी लगाने हेतु दिये गये। कुन्दन सिंह अधिकारी द्वारा मनवीर सिंह व हेम सिंह निवासी- डांडा धनोल्टी से 6 हजार तथा 4 हजार रूपये नौकरी दिलाये जाने के नाम पर प्राप्त किये गये हैं। उक्त तीनों लोगों द्वारा मौखिक बयान के दौरान उक्त बाबत सही व सत्य माना गया है। कुन्दन सिंह अधिकारी के पास से न्यायालय आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी एवं न्यायालय उप जिलाधिकारी सदर के कॉज लिस्ट एवं अन्य प्रपत्र भी प्राप्त हुए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हत्या कर बैग में डाला महिला का शव, मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। दिनेशपुर क्षेत्र में एक बैग के अन्दर अज्ञात महिला का अर्धनग्न शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मामला जिला उधमसिंहनगर के दिनेशपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार बीते रोज दिनेशपुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि सड़क किनारे एक बैग में महिला का अर्धनग्न शव देखा गया है। सूचना मिलते ही दिनेशपुर और गदरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। हत्या की सूचना पर एसएसपी मणिकांत मिश्रा समेत तमाम अधिकारी घटनास्थल पहुंचे और निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव की शिनाख्त के प्रयास किए, लेकिन मृतका की पहचान नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि महिला के हाथों में मेहंदी लगी हुई थी। पुलिस को आशंका है कि महिला की गला दबाकर हत्या कर शव को बैग में डालकर ठिकाने लगाया गया है।

स्पा सेन्टरों में ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा स्पा/मसाज सेंटरो पर अचानक ताबड़तोड़ छापेमारी से हड़कंप मच गया। अनियमितता पाए जाने पर यूनिट द्वारा दो स्पा सेंटरो के बीस हजार रुपए के चालान किये गये है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधमसिंह नगर मणिकांत मिश्रा द्वारा पूर्व में स्पा सेंटरों पर कार्यवाही किए जाने के दिए गए निर्देशों के क्रम में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ऊधमसिंहनगर द्वारा कोतवाली रुद्रपुर व थाना पंतनगर क्षेत्र में होटलो व मेट्रोपोलिस मॉल में स्पा सेंटरो में चेकिंग अभियान चलाकर सत्यापन व अन्य कागजात चेक किए गए। दो स्पा सैन्टरो में अनियमिताएं पाए जाने पर 10-10 हजार रूपए के न्यायालय के चालान पुलिस एक्ट में किये गये। सिविल लाइन में सन सिटी प्लाजा में कोहिनूर नाम से स्पा सेंटर बिना रजिस्ट्रेशन व अन्य कागजात के चलाया जा रहा था। जिसे बंद करवाया गया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।